# भगवान महावीर

## और

# उनकी अहिंसा

*"अपने मन, वाणी और शरीर के द्वारा, जान-बूझ कर तथा असावधानी से भी, किसी भी प्राणी को प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से किसी भी प्रकार का कष्ट न पहुँचाना और इसी भावना के अनुरूप अपने नित्य कर्म बहुत सावधानीपूर्वक करना ही अहिंसा है।"*

प्रकाशक
प्रेम रेडियो एण्ड इलेक्ट्रिक मार्ट
महालक्ष्मी मार्केट, भागीरथ पैलेस,
चांदनी चौक, दिल्ली-११०००६